विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 6, अंक 67 माह - जुलाई, 2024, मूल्य : नि:शुल्क

अभिभावक एवं बच्चे बनायें मोबाइल से दूरी, विषय पर कार्यशाला

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संघेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

रानेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

अर्चना संघेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

- सक्सेस स्टोरी -

स्वदेशी मेला के अंतर्गत नए इनीशिएटिव करने वाले सफल उद्यमी की कहानी

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत व लक्ष्य का होना अनिवार्य

मयंक पांडेय ने फूडी अड्डा से की स्वरोजगार की शुरूआत

मेहनत और निरंतर प्रयास ही सफलता की सीढ़ी हैं। जीवन में आगे बढ़ने और निरंतर सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए महान लक्ष्यों का होना अनिवार्य है। लक्ष्यों के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। हमें क्या करना है यह निर्धारित करना चाहिए। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें और इसे हासिल करने के लिए दिन-रात एक कर खूब मेहनत करें। वर्तमान समय में जहां हर कोई एक-दूसरे से आगे बढ़ने की जुगत में लगा रहता है। वहीं कुछ लोग शार्ट कट से आगे बढ़ने में भी नहीं कतराते। उन्हें लगता है कि कुछ भी करके खुद को श्रेष्ठ साबित कर सकते है। उनकी सफलता स्थायी नहीं होती। स्थायी सफलता चाहिए तो शार्टकट न अपनाएं। हम आपको हर माह लाते है ऐसे हुनरमंद युवाओं की कहानी जो आपको रास्ता दिखाती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

युवा उद्यमी का परिचय - मयंक पांडेय मूलतः सागर के रहने वाले है। मयंक के पिता पुलिस विभाग से रिटायर हुए है। बड़ा भाई आर्मी में अफसर है। मयंक ने बी.एस.सी. कंप्यूटर साइंस से की और इंदौर से मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की तैयारी करने लगे। कुछ परीक्षाओं के बाद जब उन्हें उचित सफलता नहीं मिली तब उन्होंने स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम रखा।

फूडी अड्डा से की स्वरोजगार की शुरुआत- मयंक कहते है इंदौर में रहते हुए मुझे यह समझ आ गया था कि व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ नया करना है। मैने वहां देखा सागर में क्या चल सकता है। उसके बाद मैंने घर वालों से बात की तो उन्होंने कहा अभी पढ़ाई कर लो, अभी तुम्हारी यह सब करने की उम्र नही है। बड़े भाई ने एक दिन पूछा कि तुम्हारा मन क्या करने का है। मैंने उनसे कहा रेस्टोरेंट ओपन करना चाहता हूं। उन्होंने कहा उसके लिए बहुत पैसे की जरूरत पड़ेगी तकरीबन 70 लाख के लगभग इतना हमारा बजट नहीं था। उन्होंने कहा अभी छोटे रूप में रेस्टोरेंट से शुरुआत करो तब तक अच्छा अनुभव आ जायेगा। मैंने काफी खोजबीन की, अभी क्या चल रहा? कैसे छोटे रूप में शुरुआत की जा सकती है? मैं दिल्ली गया वहां जाकर देखा कि फूड कार्ड बनते है, दिल्ली से फूड कार्ड बनवाया और अपने फूडी अड्डा नाम से रेस्टोरेन्ट की शुरुआत की। हमारे रेस्टोरेंट में दिल्ली के स्पेशल नॉन कुलचे, नूडल्स, मोमोज, छोले-कुलचे आदि बहुत सारे फ़ूड आइटम्स उपलब्ध है।

स्वदेशी मेला से हुई थी स्टार्टअप की शुरुआत- मेरी फूडी अड्डा की शुरुआत स्वदेशी मेले से हुई थी। मुझे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला था और वहां से मुझे लगा था कि रेस्टोरेंट में सफलता पाई जा सकती है। स्वदेशी मेला अन्य मेलों से हटकर था। इस मेले में सब कुछ था। मेले में पहली बार मंच शो, कुश्ती और बहुत सारी चीजें हमें देखने को मिली। यह स्वदेशी मेला सागरवासियों एवं हम सभी लिए एकदम नया था। हमारे व्यवसाय से तीन से पांच लोग लगातार रोजगार पाते है। अब भविष्य के तौर पर मैं इसकी फ्रेंचाइजी शेयर करना चाहता हूं। लोग फूडी अड्डा से जुड़ें और आगे बड़ें।

युवाओं के लिए आपके क्या विचार है - मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगा कि आप पढ़ाई करिए लेकिन अगर शिक्षा के क्षेत्र में सफलता न मिल पाए तो कोई न कोई व्यवसाय करने में बिलकुल न हिचकिचाएं। युवाओं के मन में या सामान्य हमारे यहां सामाजिक व्यवस्था ही ऐसी बनी हुई है। एक तो युवा बहुत ही अविश्वास से भरे रहते है वे तय ही नहीं कर पाते आखिर उन्हें क्या करना चाहिए। जैसे-तैसे वह कुछ करते भी है तो परिवार, आस पड़ोस उन्हें एकदम मना कर देते हैं। ऐसा न करो बगैरा-बगैरा। ऐसे समय में युवा हर चीज पर अपनी नजर बनाये रखें उन्हें लगता है कि यह करके सफलता पा सकते तो बस शुरुआत करें। आप अपने व्यवसाय के साथ में पढ़ाई कर सकते हैं। किसी भी तरह के गलत कदम ना उठाएं। अगर एक दरवाजा बंद होता है तो हमेशा सौ दरवाजें खुलते है। यह कहावत एकदम सत्य है। कुछ भी खत्म नहीं होता हमें हर चीज से सीखने को मिलता है। अक्सर हम बस मान लेते है कि उसके साथ यह हुआ या किसी को व्यवसाय में घाटा लगा तो मुझे भी लगेगा। अगर हम मेहनत के साथ कुछ भी व्यवसाय शुरू करते हैं आपको सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। अभी मेरी उम्र 22 वर्ष है, मैंने अभी से जब व्यवसाय की शुरुआत की है तो अगला कदम मेरा इस व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का होगा। मैं अपने काम से बहुत संतुष्ट हूं। ज्ञातव्य हो कि सागर के पीटीसी ग्राउंड में लगे स्वदेशी मेला में स्थानीय लघु उद्योगों को बढ़ावा मिला है। इस मेले का उद्देश्य देश की विरासत, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित और बढ़ावा देना है। यह आयोजन पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच, बाजार और रोजगार के अवसर प्रदान करता है, जिससे उन्हें विपणन और बड़े ऑर्डर हासिल करने में सहायता मिलती है।

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा ग्राम हंसेरा में हुई स्थापित

गणेश प्रसाद वर्णी जी के रथ को विधि विधान से पूजा अर्चना कर रवाना किया।

गणेश प्रसाद वर्णी जी की 4 फुट की प्रतिमा ग्वालियर से वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के अंतर्गत न्यायमूर्ति विमला जैन सुरेश चंद जैन आईएएस भोपाल के सहयोग से बनवाई गई है। रथ सार्थी कपिल मलैया ने परिवार सहित प्रभावना रथ पुण्यार्जक के रूप में रथ को विधि विधान पूर्वक शुभारंभ कराया। यह प्रतिमा अलग-अलग स्थानों पर भ्रमण करते हुए उनके जन्म स्थान ललितपुर जिला के मड़ावरा ब्लाक के ग्राम हंसेरा में स्थापित की गई।

समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि वर्णी जी असाटी समुदाय के थे। जबकि असाटी ज्यादातर वैष्णव होते हैं, उनके पिता की णमोकार मंत्र में गहरी आस्था थी। वे एक जैन परिवार के पड़ोस में रहते थे और मंडावरा में अपने घर के पास जैन मंदिर जाते थे। वहां के व्याख्यानों से प्रभावित होकर दस वर्ष की आयु में उन्होंने जीवन भर सूर्यास्त से पहले भोजन करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि गणेश प्रसाद वर्णी ने सत्य, अहिंसा, संयम का जीवन व्यापी व्रत ग्रहण किया। उन्होंने अशिक्षा के अंधकार में डूबे समाज को उजियारे की किरणें प्रदान की। जीवन में कठोर श्रम और संघर्षों के बीच सफलता के बीज बोये। पूरे जीवन भर उन्होंने परिस्थितियों को अपने उद्देश्य के सामने नत-मस्तक कराया। विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने सत्य-अहिंसा को अपना कर आगामी मार्ग को ही प्रचारित और पुष्पित किया। समाज, राजनीति एवं समय के साथ समझौता नहीं किया। जगह-जगह पाठशालाएं, विद्यालय खुलवाये, लेकिन न तो अर्थ संग्रह और न व्यवस्था को अपने पास कभी रखा।

बालचंद सवालनवीस के प्रोत्साहन और कंड्या, मलैया और अन्य परिवारों और सिंघई कुंदनलाल आदि के समर्थन से उन्होंने सतर्क -सुधातारिंगिनी जैन पाठशाला की स्थापना में मदद की, जो अब सागर में प्रसिद्ध गणेश दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय के नाम से पहचानी जाती है।

इस अवसर पर मनीष विद्यार्थी रथ संयोजक, प्रीति मलैया, अनुष्का मलैया, डॉ. हरिश चंद जैन शास्त्री, जीवन्धर शास्त्री जबलपुर, संजय शास्त्री पावला, सुनील शास्त्री दलपतपुर, राजकुमार कर्द, सुरेश शास्त्री सागर, राजेंद्र शास्त्री दलपतपुर, संजय शास्त्री तिगोड़ा, उत्तमचंद, आशीष शास्त्री सीकर, विमल शास्त्री सागर आदि उपस्थित थे।

वर्णी जी द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थाएं – 1. स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस, 2. श्री गणेश दिगंबर जैन संस्कृत महाविद्यालय, सागर, 3. श्री दिगंबर जैन महिला आश्रम सागर, 4. श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ विद्या मंदिर बरूआसागर (झांसी), 5. पुष्पदंत दिगंबर जैन विद्यालय शाहपुर, 6. श्री गणेश दिगंबर जैन गुरूकुल उच्च. माध्य. विद्यालय जबलपुर, 7. श्री दिगंबर जैन वर्णी इंटर कॉलेज ललितपुर, 8. जैन गुरूकुल हायर सेकेण्डरी स्कूल खुरई, 9. ज्ञानवर्धक जैन पाठशाला इटावा, 10. श्री कुंद-कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय खतौली मुजफ्फरनगर, 11. श्री शांतिनाथ जैन संस्कृत विद्यालय सिद्धक्षेत्र अहारजी टीकमगढ़, 12. श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन हायर सेकेण्डरी स्कूल ईसरी झारखंड, 13. सगन्तभद्र विद्यालय देहली, 14. श्री महावीर दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय साडूमल ललितपुर, 15. गुरूदत्त दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय द्रोणगिरी छतरपुर, 16. वर्णी दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय रेशंदीगिरी।

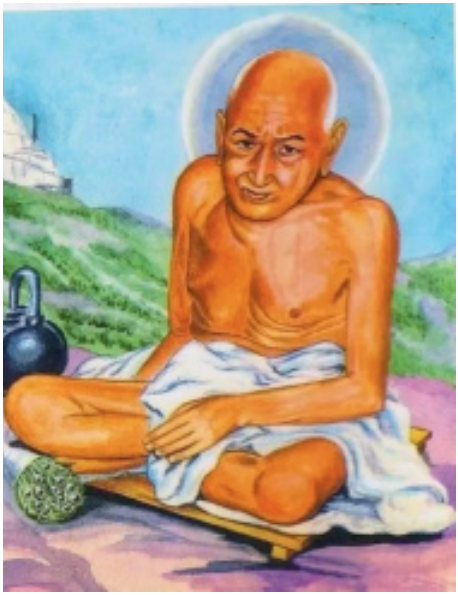

17. श्री गणेश वर्णी दिगंबर जैन गुरूकुल पटनागंज रहली सागर, 18.श्रीशांति निकेतन दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय कटनी, 19. श्री वर्णी उच्च. माध्य. शाला मड़ावरा, 20. श्री वर्णी इंटरकालेज विदिशा, 21. दिगंबर जैन वर्णी गुरूकुल सहारनपुर, 22. हीरापुर में पाठशाला, 23. शाहगढ़ में पाठशाला, 24. दलपतपुर में पाठशाला, 25. बकस्वाहा में पाठशाला, 26. बंडा में पाठशाला, 27. नीमटोरिया में पाठशाला, 28. भगवां में पाठशाला, 29. जनता हाई स्कूल बड़ामलहरा में पाठशाला, 30. गोरखपुर में पाठशाला, 31. सतपारा में पाठशाला, 32. मढ़देवरा में पाठशाला, 33. सैदपुर में पाठशाला, 34. सतना में पाठशाला, 35. कुरहैडी में पाठशाला, 36. एटा में पाठशाला, 37. बबीना में पाठशाला, 38. दरगुंवा में पाठशाला, 39. बरायठा में पाठशाला, 40. घुवारा में पाठशाला, 41. बड़गांव कटनी में पाठशाला, 42. त्रिशलानंदन पाठशाला गौराबाई जैन मंदिर, सागर, 43. जैन पाठशाला चौधरी मंदिर गढ़ाकोटा।

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए विचार समिति ने किया कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन : कपिल मलैया

बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के टिप्स देते हुए समिति अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार समिति ने तिलकगंज स्थित विचार परिसर में "अभिभावक एवं बच्चे बनायें मोबाइल से दूरी" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मोबाइल का उपयोग उतना ही करो जितना जरूरी है, सुबह और सोते समय तो मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल ही नहीं करना चाहिए। स्क्रीन पर देखते-देखते नजदीक की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं लेकिन दूर की दृष्टि धुंधली होने लगती है और यही वजह है कि चश्मा लगने की नौबत आ जाती है। उन्होंने बताया कि अभिभावकों की ये शिकायत होती है कि उनका बच्चा दिनभर मोबाइल से चिपका रहता है। हालांकि, इसकी वजह खुद अभिभावक भी हैं, क्योंकि जब बच्चा छोटा होता है तो उसे मोबाइल दिखाकर खाना खिलाते हैं एवं बच्चों को समय देने के बजाए मोबाइल पर ही अधिकांश समय खुद ही व्यतीत करते हैं। घर में बड़े को देखकर बच्चों को भी मोबाइल की लत लग जाती है। इससे घर का माहौल तो खराब होता ही है, साथ ही बच्चे भी चोरी-छिपे मोबाइल देखने लगते हैं। जिससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। इसके बाद मोबाइल की लत छुड़ाने के लिए अभिभावकों को काफी परेशानी का समाना करना पड़ता है। अभिभावक और बच्चों में स्मार्टफोन दूरी भी बढ़ा रहा है। कुछ तरीके हैं जिनकी मदद से बच्चे एवं स्वयं को फोन की लत से दूर रख सकते हैं।

समय सीमा तय करें - सबसे पहले मोबाइल के इस्तेमाल को कम करना शुरू करें। इससे न सिर्फ मोबाइल से ब्रेक मिलेगा बल्कि आप अपने दूसरे कामों में भी मन लगा पाएंगे। बच्चों की फोन की आदत छुड़ाने में ये तरीका बेहद कारगर माना जाता है।

लक्ष्य तय करें - मोबाइल को उपयोग करते समय यह तय करना चाहिए कि आप किस उदेश्य से मोबाइल का उपयोग कर रहे है। मनोरंजन, ज्ञान, व्यवसाय आदि किस क्षेत्र का उपयोग करना चाहते है, वह चुने।

अन्य कार्यों को प्राथमिकता दें - मोबाइल का उपयोग करने की जगह अन्य कार्यों को प्राथमिकता दे जैसे किताब पढ़ना, फिजिकल एक्टिविटी, प्रकृति के साथ समय बिताना, ध्यान और अपनों के साथ समय बिताना।

नोटिफिकेशन बंद करें - नोटिफिकेशन की फैसिलिटी को हटा दें और सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

जरूरत पड़ने पर ही मोबाइल का इस्तेमाल करें - हम लोग जब भी फ्री होते हैं तो मोबाइल से रील्स या फेसबुक देखने लगते हैं। आपको फोन का इस्तेमाल सिर्फ तभी करना चाहिए जब आपको जरूरत हो।

सोते समय फोन दूर रखने की आदत बनाएं - अगर आप देर रात तक फोन चलाते हैं, तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल दें। इससे आपकी आंखों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इससे नींद प्रभावित होती है और तनाव महसूस हो सकता है। ऐसे में सोते समय फोन को दूर रखने की कोशिश करें।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने सभी अभिभावक और बच्चों का आभार माना।मार्गदर्शक श्रेयांश जैन, सरिता गुरू, प्रभा साहू, अनीता चौधरी, पूनम मेवाती, कुसुम केशरवानी, ऊषा केशरवानी ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में प्रीति मलैया, प्रशांत जैन, पूनम पटैल, अंजली पटैल, संगीता प्रजापति, श्रद्धा कुशवाहा, दीप्ति कुशवाहा, स्वाती साहू, सुषमा साहू, अंबिका साहू, मंजू शर्मा, संध्या लम्बा, मयंक दुबे, सामर्थ, शशांक, आविरल, अंश पचौरी उपस्थित थे।

कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में लगाए थे पौधे, अच्छी देखरेख में 40 से 45 फीट के पेड़ हो गए

कोरोना की पहली लहर के दौरान जब कोई घर से बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था उस दौरान जरूरतमंद लोगों को सेवाएं देने वाले 31 कोरोना वारियर्स के सम्मान में विचार समिति प्रांगण में कोनोकार्पस के 14 पौधे रोपे गए थे। रोपते समय इन छायादार पौधों की ऊंचाई करीब 4 से 5 फीट थी। चार साल तक इन पौधों की समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा इतनी अच्छी देखभाल की गई कि यह 40 से 45 फीट ऊंचे हो गए हैं। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि सम्मान के अलावा इन पौधों से लगी दीवार पर उन वारियर्स के नाम की पट्टी लगी है, जिन्होंने कोरोना काल में समिति के जरिए हजारों लोगों की मदद की थी। पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान इसलिए दिया गया, क्योंकि यह संकट के दौरान बिना डरे मदद करने वाले योद्धाओं के सम्मान के रूप में लगाए गए थे।

विचार समिति ने मेडिकल कालेज में कोरोना वार्ड के बाहर 6 माह तक हेल्प डेस्क का संचालन किया था जिसमें 1490 मरीजों की सहायता की थी, इसके अलावा राशन किट, भोजन, अनाज, सैनिटाइजर जल की व्यवस्था की थी जिसे इन कार्यकर्ताओं ने न केवल बस्तियों में घर-घर जाकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया बल्कि व्यवस्था संभाल रहे सुरक्षा, पुलिसकर्मियों को भी समय-समय पर सैनिटाइजर एवं अन्य सुरक्षा सामग्री की आपूर्ति कर उनका हौसला बढ़ाया था।

कोरोना वारियर्स के सम्मान में 3-4 फीट के लगाए गए थे पौधे जो अब 40-45 फीट के हो गए।

इन कोरोना वारियर्स के सम्मान में लगाए गए थे पौधे : राजेश सिंघई, सुनीता अरिहंत, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, सूरज सोनी, सौरभ रांधेलिया, रामकृष्ण मिश्रा, कार्तिक भाई पटेल, धवल कुशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम, देवेन्द्र वर्मा, सुनील जादूगर, राहुल अहिरवार, शिखा चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, विनोद विश्वकर्मा, सुनील साहू, साहब सिंह, नीलेश पटेल, अरविंद अहिरवार, राम कुमार बाल्मिकी, बद्री सेन, इंदरसिंह, जवाहर लाल अहिरवार, प्रदीप आठिया, रामकुमार रैकवार, शरद मोहन दुबे, संजेश सिंह और आशीष सिंह।

नीम लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान : बैठक में समिति ने किया आव्हान, पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आएं

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है, 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प

विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं। बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है जिसमें सदर उत्सव समिति 5100 पौधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार योद्धा कल्याण समिति 2500 पौधे, 10वीं बटालियन 2500 पौधे, रोटरी क्लब सेंट्रल 630 पौधे, राजेश मलैया 500 पौधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पौधे, एकता समिति 100 पौधे, आलोक जैन 100 पौधे, ऋषभ सिंघई, सुशील जैन 100 पौधे, सुधीर जैन 100 पौधे, पूनम मेवाती ने 10 पौधे लगाने का निर्णय लिया है।

बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार नीम के पौधे लगाने का संकल्प लिया।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पौधे जब बड़े हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्यावरण जलवायु को सुधारने में सहायता करेंगे। पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है क्योंकि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पौधे पर एक व्यक्ति के नाम की तख्ती दी जाएगी। इस पौधे को तैयार करने के लिए मंगलगिरी में पहले देशी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और देखरेख से यह पौधा दो से तीन फुट का तैयार हो गया। उन्होंने आव्हान किया है कि पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आयें।

सुनीता अरिहंत ने बताया कि पौधे लगाने के बाद 15 नवंबर 2024 को पौधों का समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा। जिसके पौधे सबसे अच्छे होंगे उनको समिति द्वारा 31 दिसंबर 2025 को उपहार भी दिया जाएगा।

राजेश मलैया, अखिलेश समैया ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियों, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयाँ बनती हैं। नीम की दातून दाँतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए।

मार्गदर्शक राजेश सिंघई, श्रेयांश जैन, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया शहर की समस्त संस्थाओं से आव्हान किया है कि इस पेड़ योजना से जुड़कर समिति द्वारा लिया गया 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प पूरा करने में अपना सहयोग करें। समिति सदस्य राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में रवि उमाहिया, सूरज सोनी, सुभाष कंड्या, विजय जैन, कौशल पहलवान, ध्रुव केशरवानी, अभय केशरवानी, संजय केशरवानी, टिंकू केशरवानी, चंदन साहू, सोनू जैन, कुसुम केशरवानी, नीता केशरवानी, भाग्यश्री राय, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव, अरविंद अहिरवार, ज्योति रैकवार आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति व योगा के साथ हुआ समर कैंप का समापन

बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार मिल सके इसलिए गांव में खोला इंग्लिश मीडियम स्कूल

समर कैंप के समापन पर शिक्षक, बच्चे और अभिभावकों का सम्मान किया गया।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में आठ दिवसीय समर कैंप का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन, स्वागत गीत, बच्चों की मनमोहक प्रस्तुती एवं योग के साथ हुई। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक से बढ़कर एक शानदार प्रदर्शन देख अभिभावकों के चेहरों पर प्रसन्नता की झलक दिखाई दी। समर कैंप में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से जोड़ा गया था जैसे- योगा, मेडिटेशन, पौधारोपण, चित्रकला, नृत्य, गायन, पेपर कास्टिंग, फैंसी ड्रेस, कलर भरो प्रतियोगिता, डिस्पोजल गेम्स, फनी गेम्स, खो-खो, कैरम, कबड्डी, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आदि।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने सभी शिक्षकों को गोमय शील्ड, माला, श्री यंत्र से सम्मान किया एवं बच्चों को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि मैं शहर में भी स्कूल खोल सकता था लेकिन इंग्लिश मीडियम स्कूल की ज्यादा जरूरत गांव में है ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें। आने वाले वर्षों में इस प्रकार के आयोजन को किस प्रकार और अधिक क्रियाशील, रचनात्मक तथा रोचक बनाया जाए, विद्यालय इसकी योजना में काम करेगा। उन्होंने बच्चों को योग कराते हुए योग के फायदे बताए। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस कैंप के माध्यम से आपने आठ दिन में जो सीखा उसे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करते रहना।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया था। ऐसे आयोजन से बच्चों के भीतर छुपी हुई प्रतिभा को निखार कर सामने लाने में मदद मिलती है। समर कैंप बच्चों को सभी के साथ खुलकर घुलने-मिलने का मौका देता है।

प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार खेल और अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कैंप में बच्चों को बताया गया कि कैसे वह पढ़ाई के साथ-साथ अपनी पसंद के गेम में अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। शिक्षक रागिनी राय, खुशबू चढ़ार, पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया था। कार्यक्रम का आभार मोहन पवार ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर कुंदन लाल रिछारिया, गजराज सिंह राजपूत, सत्यवीर चढ़ार, नरेन्द्र ठाकुर, गजेन्द्र रावत, करतार राय, नन्नूराम चढ़ार, कैलाश कुर्मी, धर्मेन्द्र राय, महेन्द्र विश्वकर्मा, बृजकिशोर चढ़ार, विकास सेन आदि उपस्थित थे।

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का विचार समिति ने किया स्वागत

पदयात्रा का स्वागत करते हुए समिति अध्यक्ष कपिल मलैया एवं कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत।

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा सागर पहुंची। विचार समिति द्वारा मोतीनगर चौराहा पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया था। सभी पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदयात्रा में दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदलयात्रा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे देश का युवा नशे से ग्रसित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जगह योगाभ्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए। समिति द्वारा स्वागत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट किया।

रायबरेली से समाजसेवी आशीष शुक्ल का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामसिंह, प्रदीप वैरागी, मखान लाल धाकड़ आदि शामिल हैं।

समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घड़ी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान सभी पदयात्रियों को शक्ति दें ताकि निर्विघ्न यात्रा सम्पन्न हो सके। पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रविन्द्र ठाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, गंगाराम आदि ने स्वागत किया।

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

युवाओं को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर मंगलवार को मैजेस्टिक प्लाजा में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हौसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गुण विकसित हो सकें। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। हमें आपदा में अवसर को तलाशना चाहिए, भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। यह आबादी आपदा न होकर एक अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

बैठक में मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी जयकुमार जैन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारे मन में बहुत काम करने की इच्छा होती है परन्तु डर के कारण न तो हम कुछ कर पाते है न ही कोई निर्णय ले पाते है। सरकार ने सभी सुविधाएँ दी है बस आपको आगे आने की जरूरत है। स्वावलंबी भारत अभियान आपकी मदद के लिए है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यवसायी मनोज़ राय ने युवाओं को व्यवसाय चुनने पर प्राथमिकता देते हुए कहा कि व्यवसाय से जुड़ें सभी मुद्दों पर अच्छे से जानकारी जुटाएं फिर आगे बढ़े तो निश्चित ही सफलता मिलती है। कार्यशाला के अंतिम सत्र में युवाओं की स्वरोजगार से जुडी शकांओं का समाधान किया गया। 100 से अधिक युवाओं ने स्वरोजगार कार्यशाला से जुड़कर लाभ उठाया। बैठक का आभार जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र ठाकुर ने माना। इस अवसर पर प्रांतपूर्ण कालिक संजय रावत, प्रो आर सी प्रजापति, नवीन सोनी, राजेश गौतम, अधिराज वर्मा, आदित्य विक्रम, योगेश सेन, राजीव तोमर, शुभ शर्मा, रचना पटेल, एकता कोर, हिमांशी पटेल, सृष्टि दुबे आदि उपस्थित थीं।

मीडिया कवरेज

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा 22 जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी, रथ रवाना

हंसेरा में स्थापित होगी गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा, सागर से रथ रवाना

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा 22 जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी

गणेश प्रसाद वर्णी की प्रतिमा 22 जून को ग्राम हंसेरा में स्थापित होगी

सागर। गणेश प्रसाद वर्णी जी की 4 फुट की प्रतिमा ग्वालियर से वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के अंतर्गत न्यायमूर्ति विमला जैन सुरेश चंद जैन आईएएस भोपाल के सहयोग से बनवाई गई है। रथ साथी कपिल मलैया ने परिवार सहित प्रभावना रथ पुष्पालंक के रूप में रथ की विधि विधान पूर्वक शुभारंभ कराया। यह प्रतिमा अलग-अलग स्थानों पर भ्रमण करते हुए उनके जन्म स्थान ललितपुर जिला के महरौनी ब्लाक के ग्राम हंसेरा में 22 जून को स्थापित की जाएगी।

समाजसेवी कपिल मलैया ने बताया कि वर्णी जी असाटी समुदाय के थे। जबकि असाटी ज्यादातर वैष्णव होते हैं, उनके पिता की णमोकार मंत्र में गहरी आस्था थी। वे एक जैन परिवार के पड़ोस में रहते थे और मंडावरा में अपने घर के पास जैन मंदिर जाते थे। वहां के व्याख्यानों से प्रभावित होकर दस वर्ष की आयु में उन्होंने जीवन भर सूर्यास्त से पहले भोजन करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि गणेश प्रसाद वर्णी ने सत्य, अहिंसा, संयम का जीवन ब्रह्मचारी व्रत ग्रहण किया। उन्होंने अशिक्षा के अंधकार में डूबे समाज को शिक्षा की किरणें प्रदान की। जीवन में कठोर श्रम और संघर्षों के बीच सफलता के बीज बोये। पूरे जीवन भर उन्होंने परिस्थितियों को अपने उद्देश्य के सामने

नत-मस्तक कराया। विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने सत्य-अहिंसा को अपना कर आगमी मार्ग को ही प्रचारित और पुष्पित किया। समाज, राजनीति एवं समय के साथ समझौता नहीं किया। जगह-जगह पाठशालाएं, विद्यालय खुलवाये, लेकिन न तो अर्थ संग्रह और न व्यवस्था को अपने हाथ कभी रखा। बालचंद सवालनवीस के प्रोत्साहन और कंडया, मलैया और अन्य परिवारों और सिंघई कुंदनलाल आदि के समर्थन से उन्होंने सार्व -सुधातरंगिणी जैन पाठशाला की स्थापना में मदद की, जो अब सागर में प्रसिद्ध गणेश दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय के नाम से पहचानी जाती है।

इस अवसर पर मनीष विद्यार्थी रथ संयोजक, प्रीति मलैया, अनुष्का मलैया, डॉ. हरिश चंद जैन शास्त्री, जीवन्धर शास्त्री जबलपुर, संजय शास्त्री पथरिया, सुनील शास्त्री दलपतपुर, राजकुमार कर्द, सुरेश शास्त्री सागर, राजेंद्र शास्त्री दलपतपुर, संजय शास्त्री सिलोड़ा, उत्तमचंद, आशीष शास्त्री सीकर, विमल शास्त्री सागर आदि उपस्थित थे।

मोबाइल से दूरी बनाने के लिए विचार समिति ने किया कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन : कपिल मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति ने शिवकांत मिश्रा विचार भवन में "अभिभावक एवं बच्चे बनाएं मोबाइल से दूरी" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि मोबाइल का उपयोग उतना ही करें जितना जरूरी है, सुबह और सोते समय तो मोबाइल का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। स्क्रीन पर देखते-देखते नजदीक की वस्तुएं तो स्पष्ट दिखाई देती हैं लेकिन दूर की दृष्टि धुंधली होने लगती है और यही वजह है कि चश्मा लगने की नौबत आ जाती है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों की ये शिकायत होती है कि उनका बच्चा दिनभर मोबाइल से चिपका रहता है। हालांकि, इसकी वजह खुद अभिभावक भी हैं, क्योंकि जब बच्चा छोटा होता है तो उसे मोबाइल दिखाकर खाना खिलाते हैं एवं बच्चों को समय देने के बजाए मोबाइल पर ही अधिकांश समय खुद ही व्यतीत करते हैं। घर में बड़ों को देखकर बच्चों को भी मोबाइल की लत लग जाती है। अभिभावक और बच्चों में स्मार्टफोन दूरी भी बढ़ा रहा है। कुछ तरीके हैं जिनकी मदद से बच्चे एवं स्वयं को फोन की लत से दूर रख सकते हैं।

• समय सीमा तय करें - सबसे पहले मोबाइल के इस्तेमाल को कम करना शुरू करें। इससे न सिर्फ मोबाइल से ब्रेक मिलेगा बल्कि आप अपने दूसरे कामों में भी मन लगा पाएंगे।

• लक्ष्य तय करें - मोबाइल को उपयोग करते समय यह तय करना चाहिए कि आप किस उद्देश्य से मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं। मनोरंजन, ज्ञान, व्यवसाय आदि किस क्षेत्र का उपयोग करना चाहते हैं, वह चुनें। मोबाइल का उपयोग करने की जगह अन्य कार्यों को प्राथमिकता दें जैसे किताब पढ़ना, फिजिकल एक्टिविटी, प्रकृति के साथ समय बिताना, ध्यान और अपनों के साथ समय बिताना। नोटिफिकेशन की फैसिलिटी को हटा दें और सोशल मीडिया से दूरी बनाएं।

• जरूरत पड़ने पर ही मोबाइल का इस्तेमाल करें - हम लोग जब भी फ्री होते हैं तो मोबाइल में फिल्म देखने लगते हैं।

• सोते समय फोन दूर रखने की आदत बनाएं - अगर आप देर रात तक फोन चलाते हैं, तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल दें। इससे आपकी आंखों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इससे नींद प्रभावित होती है और तनाव महसूस हो सकता है। ऐसे में सोते समय फोन को दूर रखने की कोशिश करें। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने सभी अभिभावक और बच्चों का आभार माना।

कार्यशाला में [illegible] जैन, [illegible] गुरु, [illegible] साहू, [illegible], पूनम [illegible], कृष्णा [illegible], उमा [illegible] ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में दीप्ति मलैया, प्रशांत जैन, पूजा पटेल, अंजली पटेल, संगीता प्रजापति, श्रद्धा कुशवाहा, [illegible] कुशवाहा, स्वाति साहू, पूनम साहू, [illegible] साहू, मंजू शर्मा, [illegible], मनोज दुबे, [illegible], [illegible], [illegible] आदि उपस्थित थे।

सागर | सोमवार, मंगलवार, 11 जून, 2024 | राष्ट्रीय हिन्दी मेल

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा स्मार्टफोन: कपिल मलैया

सागर | 2

अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए विचार समिति ने किया कार्यशाला का आयोजन, बताए टिप्स

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन : कपिल मलैया

आयोजन | जरूरत पड़ने पर ही मोबाइल का इस्तेमाल करें

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन

अभिभावक और बच्चों में दूरी बढ़ा रहा है स्मार्टफोन: कपिल मलैया

राज एक्सप्रेस

कार्यशाला | अभिभावक और बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने के लिए दिए टिप्स

अभिभावक, बच्चों में दूरी बढ़ा रहा स्मार्टफोन: मलैया

कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में लगाए थे पौधे, देखरेख ऐसी हुई कि 40 से 45 फीट के पेड़ हो गए

विचार समिति ने 50 हजार नीम के पौधे लगाने का लिया संकल्प

भास्कर संवाददाता | सागर

कोरोना की पहली लहर के दौरान जब कोई घर से बाहर निकलने के लिए तैयार नहीं था उस दौरान जरूरतमंद लोगों को सेवाएं देने वाले 31 कोरोना वारियर्स के सम्मान में विचार समिति प्रांगण में कोनोकार्पस के 14 पौधे रोपे गए थे। रोपते समय इन छायादार पौधों की ऊंचाई करीब 4 से 5 फीट थी। चार साल तक इन पौधों की समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा इतनी अच्छी देखभाल की गई कि यह 40 से 45 फीट ऊंचे हो गए हैं। समिति के अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि सम्मान के अलावा इन पौधों से लगी दीवार पर उन वारियर्स के नाम की पट्टी लगी है, जिन्होंने कोरोना काल में समिति के जरिए हजारों लोगों की मदद की थी। पौधों की देखभाल पर विशेष ध्यान इसलिए दिया गया, क्योंकि यह संकट के दौरान बिना डरे मदद करने वाले योद्धाओं के सम्मान के रूप में लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। यह पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं।

विचार समिति ने मेडिकल कालेज में कोरोना वार्ड के बाहर 6 माह तक हेल्प डेस्क का संचालन किया था जिसमें 1490 मरीजों की सहायता की थी, इसके अलावा राशन किट, भोजन, अनाज, सेनेटाइजर, जल की व्यवस्था की थी, जिसे इन कार्यकर्ताओं ने न केवल बस्तियों में घर-घर जाकर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया बल्कि व्यवस्था संभाल रहे सुरक्षा, पुलिसकर्मियों को भी समय-समय पर सेनेटाइजर एवं अन्य सुरक्षा सामग्री की आपूर्ति कर उनका हौसला बढ़ाया था।

इन वारियर्स के सम्मान में लगाए गए थे पौधे

राजेश सिंघई, सुनीता अरिहंत, नितिन पटैरिया, अखिलेश समैया, सूरज सोनी, सौरभ रांधेलिया, रामकृष्ण मिश्रा, कार्तिक भाई पटेल, धवल कुशवाहा, अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम, देवेन्द्र वर्मा, सुनील जादूगर, राहुल अहिरवार, शिखा चौरसिया, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, विनोद विश्वकर्मा, सुनील साहू, साहब सिंह, नीलेश पटेल, अरविंद अहिरवार, राम कुमार बाल्मिकी, बद्री सेन, इंदरसिंह, जवाहर लाल अहिरवार, प्रदीप आठिया, रामकुमार रैकवार, शरद मोहन दुबे, संजेश सिंह और आशीष सिंह।

नीम लगाओ-पर्यावरण बचाओ अभियान • विचार समिति ने किया आह्वान, पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आएं: मलैया

नीम के 12 हजार पौधे रोपने की जिम्मेदारी संगठनों ने ली, समिति का 50 हजार पौधे रोपने का संकल्प

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए हैं। बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पौधे लगाने का संकल्प व्यक्त किया। जिसमें सदर उत्सव समिति 5100 पौधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार योद्धा कल्याण समिति 2500 पौधे, 10वीं बटालियन 2500 पौधे, रोटरी क्लब सेंट्रल 630 पौधे, राजेश मलैया 500 पौधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पौधे, एकता समिति 100 पौधे, आलोक जैन 100 पौधे, ऋषभ सिंघई, सुशील जैन 100 पौधे, सुधीर जैन 100 पौधे, पूनम मेवाती ने 10 पौधे लगाने का संकल्प जाहिर किया।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पौधे जब बड़े हो जाएंगे तो शहर की पर्यावरण जलवायु को सुधारने में सहायता करेंगे। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगाना बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन-चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पौधे पर एक व्यक्ति के नाम की तख्ती दी जाएगी। उन्होंने आह्वान किया है कि पर्यावरण बचाने बच्चे भी आगे आएं। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि पौधे लगाने के बाद 15 नवंबर 2024 को पौधों का समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा। राजेश मलैया, अखिलेश समैया ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। मार्गदर्शक राजेश सिंघई, श्रेयांश जैन, मुख्य संयोजक नितिन पटैरिया ने संस्थाओं से आह्वान किया कि इस पौधारोपण योजना से जुड़कर पुण्य कार्य करें। समिति सदस्य राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बैठक में शफीक खान, रवि उमाठिया, सूरज सोनी, सुभाष कंड्या, कमल कुशवाहा, विजय जैन, कौशल पहलवान, ध्रुव केशरवानी, अभय केशरवानी, संजय केशरवानी, टिंकू केशरवानी, चंदन साहू, सोनू जैन, कुसुम केशरवानी, नीता केशरवानी आदि उपस्थित थे।

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है: कपिल मलैया

समिति ने किया आह्वान, पर्यावरण बचाने बच्चे भी आएं आगे

बच्चों व अभिभावकों में दूरी बढ़ा रहा मोबाइल

मोबाइल की समय सीमा तय करें

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

सागर। विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे मंगलगिरी में तैयार किए गए है। बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है जिसमें सदर उत्सव समिति 5100 पौधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार योद्धा कल्याण समिति 2500 पौधे, 10वीं बटालियन 2500 पौधे, रोटरी क्लब सेंट्रल 630 पौधे, राजेश मलैया 500 पौधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पौधे, एकता समिति 100 पौधे, आलोक जैन 100 पौधे, ऋषभ सिंघई, सुशील जैन 100 पौधे, सुधीर जैन 100 पौधे, पूनम मेवाती ने 10 पौधे लगाने का निर्णय लिया है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पौधे जब बड़े हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्यावरण जलवायु को सुधारने में सहायता करेंगे। पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है क्योंकि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगाना बड़ी मुश्किल से है।

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार : कपिल मलैया

नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ

सागर
सागर, सोमवार 17 जून 2024 | 03

नीम का पौधा लगाकर पर्यावरण को बचाने का अभियान

- 51 हजार नीम लगाने का लक्ष्य
- अभियान में सभी आगे आएं

18 पेंशनर्स को ग्रीन सागर से जोड़ा, 5 दिन में बांटे 50 पौधे, संकल्प दिलाया

सबसे खूबसूरत क्यारी को दिए पौधे व गमले

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

देशबन्धु
17 Jun 2024 - Page 8

नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत बैठक का हुआ आयोजन

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : कपिल मलैया

सागर, देशबन्धु। विचार समिति कार्यालय में रविवार को नीम लगाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन हुआ। समिति ने 50 हजार पौधे लगाना का लक्ष्य लिया है। यह पौधे नर्सरियों में तैयार किये गये हैं। बैठक में विभिन्न संस्थाओं ने 12 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है जिसमें सदर उत्थान समिति 5100 पौधे, धर्म रक्षा संगठन और अपराजित मददगार योद्धा कल्याण समिति 2500 पौधे, 10वीं बटालियन 2500 पौधे, रोटरी क्लब सेंट्रल 630 पौधे, राजेश मलैया 500 पौधे, सेंट्रल बैंक शाखा भगवानगंज 250 पौधे, एकता समिति 100 पौधे, आलोक जैन 100 पौधे, ऋषभ सिंघई, सुशील जैन 100 पौधे, सुधीर जैन 100 पौधे, पूनम मेवाती ने 10 पौधे लगाने का निर्णय लिया है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है। यह हजारों नीम के पौधे जब बड़े हो जाएंगे तो सागर शहर की पर्यावरण जलवायु को सुधारने में सहायता करेंगे। पौधे लगाने के साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है क्योंकि आक्सीजन की कमी हो रही है, बीमारियां बढ़ रही हैं, कई शहरों में तो पर्यावरण बहुत ज्यादा दूषित हो गया है। नीम का पेड़ बहुत मजबूत होता है लेकिन लगता बड़ी मुश्किल से है। एक बार तीन चार फीट का हो गया तो फिर मरता नहीं है। उन्होंने बताया प्रत्येक 10 पौधे पर एक व्यक्ति के नाम की तख्ती दी जाएगी। इस पौधे को तैयार करने के लिए नर्सरियों में पहले देसी खाद से मिट्टी तैयार की फिर बीज डालने के बाद पानी दिया और देखरेख से यह पौधा दो से तीन फुट का तैयार हो गया। उन्होंने आव्हान किया है कि पर्यावरण बचाने सभी भी आगे आएं। मुनीश ऑरोरा ने बताया कि पौधे लगाने के बाद 15 नवंबर को पौधों का समिति द्वारा सर्वे किया जाएगा। जिसके पौधे सबसे अच्छे होंगे उनको समिति द्वारा 31 दिसंबर 2025 को उपहार भी दिया जाएगा। राजेश मलैया, अखिलेश समैया ने नीम के फायदे बताते हुए कहा कि नीम का पेड़ बहुत गुणकारी है। इसकी पत्तियाँ, फल और छाल से तरह-तरह की दवाइयां बनती हैं। नीम की दातुन दांतों को स्वस्थ रखती है। सुबह उठकर नीम का सेवन करना चाहिए। मार्गदर्शक राजेश सिंघई, देवांश जैन, मुख्य संयोजक निखिल परीचिया शहर की समस्त संस्थाओं से आव्हान किया है कि इस पेड़ योजना से जुड़कर समिति द्वारा लिया गया 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प पूरा करने में अपना सहयोग करें। समिति सदस्य राहुल अहिरवार, पूजा प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शिविर • विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में योगा के साथ समर कैंप का समापन

अच्छी शिक्षा मिले इसलिए गांव में खोला इंग्लिश मीडियम स्कूल: मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति द्वारा ग्राम मनेसिया में संचालित निताई प्ले स्कूल में आठ दिवसीय समर कैंप का मेगासत्र का समापन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन, स्वागत गीत, बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति एवं योग के साथ हुई। इस अवसर पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। समर कैंप में बच्चों को योग, मेडिटेशन, पैंफ्लोरिंग, चित्रकला, नृत्य, गायन, पेपर कटिंग, पैसी फ्रेम, कलर ब्लो प्रतियोगिता, डिस्पोजल पिक्स, पत्ती पिक्स, खो-खो, कैरम, कबड्डी, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आदि सिखाई गईं।

समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने सभी शिक्षकों का श्रीफल शॉल, माला, श्री पंथ से सम्मान किया एवं बच्चों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं शहर में भी स्कूल खोल सकता था लेकिन इंग्लिश मीडियम स्कूल की ज्यादा जरूरत गांव में है ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें। उन्होंने बच्चों को योग करते हुए योग के फायदे बताए। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस कैंप के माध्यम से आपने आठ दिन में जो सीखा उसे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करते रहना। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों के भीतर छुपी हुई प्रतिभा को निखार कर सामने लाने में मदद मिलती है। प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार खेल और अन्य गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कैंप में बच्चों को बताया गया कि कैसे वह पढ़ाई के साथ-साथ अपनी पसंद के क्षेत्र में अच्छा बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। शिक्षक रागिनी राय, खुशबू चढ़ार, पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया था। कार्यक्रम का आभार मोहन चढ़ार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कुंदन लाल सिंघई, गजराज सिंह राजपूत, सतवीर चढ़ार, नरेन्द्र ठाकुर, गजेन्द्र यादव, करतार राय, [illegible] चढ़ार, कैलाश कुर्मी, [illegible] राय, महेन्द्र विश्वकर्मा, बृजकिशोर चढ़ार, विकास सेन आदि उपस्थित थे।

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल में समर कैंप का 10 जून से होगा आयोजन

सागर। विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में साप्ताहिक समर कैंप का निःशुल्क आयोजन 10 जून से प्रारंभ होने जा रहा है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समर कैंप सुबह 8 से 11 बजे तक रहेगा। इस कैंप में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से जोड़ा जायेगा जैसे- योग, मेडिटेशन, एक्सरसाइज, बच्चों की रुचि के अनुसार चित्रकला, नृत्य प्रतियोगिता आयोजन, गायन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान, हिंदी, व्याकरण संबंधी अध्ययन, सुन्दर लिखावट कौशल, पेपर कटिंग, मजेदार गतिविधियों से जोड़ा जायेगा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चे इस आयोजन में हिस्सा ले सकेंगे। प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि शिक्षक रागिनी राय, खुशबू चढ़ार, समिति सहयोगी पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को गतिविधि कराई जाएगी।

बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें, इसलिए गांव में खोली इंग्लिश मीडियम स्कूल : कपिल मलैया

प्रदेश टुडे सागर, सोमवार, 17 जून 2024

नीम का पौधा प्रकृति का सबसे अनुपम उपहार है : मलैया

प्रदेश टुडे

बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सके इसलिए गांव में खोला स्कूल : मलैया

हरिभूमि

विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में निःशुल्क साप्ताहिक समर कैंप का 10 जून से होगा आयोजन

सागर। विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में साप्ताहिक समर कैंप का निःशुल्क आयोजन 10 जून से प्रारंभ होने जा रहा है। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समर कैंप सुबह 8 से 11 बजे तक रहेगा। इस कैंप में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से जोड़ा जायेगा जैसे- योग, मेडिटेशन, एक्सरसाइज, बच्चों की रुचि के अनुसार चित्रकला, नृत्य प्रतियोगिता आयोजन, गायन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान, हिंदी, व्याकरण संबंधी अध्ययन, सुन्दर लिखावट कौशल, पेपर कटिंग, मजेदार गतिविधियों से जोड़ा जायेगा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चे इस आयोजन में हिस्सा ले सकेंगे। प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि शिक्षक रागिनी राय, खुशबू चढ़ार, समिति सहयोगी पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को गतिविधि कराई जाएगी।

बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार मिल सकें इसलिये गांव में खोली इंग्लिश मीडियम स्कूल: कपिल मलैया

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति व योगा के साथ हुआ समर कैंप का समापन

दैनिक भास्कर सागर 09-06-2024

ग्राम मनेसिया में निशुल्क साप्ताहिक समर कैंप का आयोजन 10 जून से

सागर | विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया में साप्ताहिक समर कैंप का निशुल्क आयोजन 10 जून से प्रारंभ होगा। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समर कैंप सुबह 8 से 11 बजे तक चलेगा। इस कैंप में बच्चों को तरह-तरह की गतिविधियों से जोड़ा जायेगा जैसे- योग, मेडिटेशन, एक्सरसाइज, बच्चों की रुचि के अनुसार चित्रकला, नृत्य प्रतियोगिता आयोजन, गायन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान, हिंदी, व्याकरण संबंधी अध्ययन, लिखावट कौशल, पेपर कटिंग, मजेदार गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 4 से 15 साल के बच्चे इस आयोजन में हिस्सा ले सकेंगे। प्राचार्य साक्षी दांगी ने बताया कि शिक्षक रागिनी राय, खुशबू चढ़ार, समिति सहयोगी पूजा प्रजापति द्वारा बच्चों को गतिविधि कराई जाएगी।

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का विचार समिति ने किया स्वागत

भास्कर संवाददाता | सागर

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते हुए पदयात्रा करने वालों का दल सोमवार को सागर पहुंचा। विचार समिति द्वारा सुबह 8 बजे मोतीनगर चौराहा पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया गया। सभी पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदयात्रा में शामिल दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने का संकल्प लिया है। समिति द्वारा स्वागत

पदयात्रा का स्वागत करते हुए कपिल मलैया।

करने पर बैरागी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट किया।

पदयात्रा में रायबरेली से आए समाजसेवी आशीष शुक्ला का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामसिंह, प्रदीप बैरागी, माखन लाल धाकड़ आदि शामिल हैं।

समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घड़ी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का आग्रह किया। पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रविन्द्र ठाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, गंगाराम, माधव यादव आदि ने स्वागत किया।

2 rashtriyahindimail.in

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़त पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत

अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़ते पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत

हरिभूमि

देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़त पदयात्रा का विचार समिति ने किया स्वागत

ओम बुन्देलखण्ड

सागर। देवास से अयोध्या धाम तक हनुमान चालीसा पढ़त पदयात्रा आज सागर पहुंची। विचार समिति द्वारा सुबह 8 बजे मोतीनगर चौराहा पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया। सभी पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदयात्रा में दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदलयात्रा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे देश का युवा नशे से ग्रसित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जगह योगाभ्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ

रखना चाहिए। समिति द्वारा स्वागत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर स्नेह प्रकट किया।

रायबरेली से समाजसेवी आशीष शुक्ला का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामसिंह, प्रदीप बैरागी, मखान लाल धाकड़ आदि शामिल हैं।

समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घड़ी, माला एवं मोमेंटो से सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान सभी पदयात्रियों को शक्ति दें ताकि निर्विघ्न यात्रा सम्पन्न हो सके।

पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रविन्द्र ठाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, गंगाराम, माधव यादव आदि ने स्वागत किया।

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : मलैया

भास्कर संवाददाता | सागर

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर बुधवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरुआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हौसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गुण विकसित हो सकें। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

कार्यशाला में कपिल मलैया युवाओं को संबोधित करते हुए।

बैठक में मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी जयकुमार जैन ने कहा कि हमारे मन में बहुत काम करने की इच्छा होती है परन्तु डर के कारण न तो हम कुछ कर पाते है न ही कोई निर्णय ले पाते हैं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यवसायी मनोज राय ने युवाओं की स्वरोजगार से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया गया। 100 से अधिक युवाओं ने स्वरोजगार कार्यशाला से जुड़कर लाभ उठाया। बैठक का आभार जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र ठाकुर ने माना। इस अवसर पर प्रांत पूर्णकालिक संजय रावत, प्रो आरसी प्रजापति, नवीन सेठी, राजेश गौतम, अभिराज वर्मा, आदित्य विक्रम, योगेश सेन, राजीव तोमर, शुभ शर्मा, रचना पटेल, एकता कौर, हिमांशी पटेल, सृष्टि दुबे आदि उपस्थित रहे।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियानः कपिल मलैया

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

श्री हनुमान चालीसा पदयात्रा का स्वागत

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

देवास से अयोध्या धाम जा रही हनुमान चालीसा पदयात्रा का विचार समिति द्वारा मोतीनगर चौराहे पर स्वागत किया। पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया।

पदयात्रा में शामिल दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया प्रतिदिन 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा देश का युवा नशे से ग्रसित होता जा रहा है, जिससे युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है। समाज में हर जगह योगाभ्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए।

« देवास से अयोध्या धाम की पदयात्रा

रायबोली से समाजसेवी आशीष शुक्ल ने कहा समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामसिंह, प्रदीप बैरागी मखान लाल धाकड़ शामिल हैं। समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी घड़ी, माला एवं मोमेंटो से पदयात्रियों का स्वागत किया।

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियानः कपिल मलैया

हरिभूमि न्यूज ▸▸सागर

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर मंगलवार को मैजेस्टिक प्लाजा में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हौसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गुण विकसित हो सके। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। हमें आपदा में अवसर को तलाशना चाहिए, भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। यह आबादी आपदा न होकर एक अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए। बैठक में मुख्य अतिथि युवा व्यवसायी जयकुमार जैन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारे मन में बहुत काम करने की इच्छा होती है परन्तु डर के कारण न तो हम कुछ कर पाते है न ही कोई निर्णय ले पाते है। सरकार ने सभी सुविधाएं दी है बस आपको आगे आने की जरूरत है। स्वावलंबी भारत अभियान आपकी मदद के लिए है।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे व्यवसायी मनोज राय ने युवाओं को व्यवसाय चुनने पर प्राथमिकता देते हुए कहा कि व्यवसाय से जुड़े सभी मुद्दों पर अच्छे से जानकारी जुटाएं फिर आगे बढ़े तो निश्चित ही सफलता मिलती है। कार्यशाला के अंतिम सत्र में युवाओं की स्वरोजगार से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया गया। 100 से अधिक युवाओं ने स्वरोजगार कार्यशाला से जुड़कर लाभ उठाया। बैठक का आभार जिला पूर्णकालिक कार्यकर्ता रविंद्र ठाकुर ने माना।

इस अवसर पर प्रांतपूर्ण कालिक संजय रावत, डॉ. आर पी प्रजापति, नवीन सोनी, राजेश गौतम, अभिराज वर्मा, आदित्य विक्रम, योगेश सेन, राजीव तोमर, शुभ शर्मा, रचना पटेल, एकता कोर आदि उपस्थित थी।

देवास से अयोध्या तक हनुमान चालीसा पढ़ते पदयात्रा करने वालों का स्वागत

सागर, देशबन्धु। देवास से अयोध्या तक हनुमान चालीसा पढ़ते पदयात्रा सोमवार को सागर पहुंची। विचार समिति ने मोतीनगर चौराह पहुंचकर पदयात्रा का स्वागत किया। सभी पदयात्रियों ने विचार समिति कार्यालय का भ्रमण किया। पदयात्रा में दिव्य योग संस्था के संस्थापक योगगुरु राजेश बैरागी ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने का संकल्प लिया है। आज हमारे देश का युवा नशे से ग्रसित होता जा रहा है और युवाओं की चेतना नष्ट हो रही है समाज में हर जगह योगाभ्यास के शिविर चलते रहते हैं सभी को योग से जुड़ना चाहिए और शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए। समिति द्वारा स्वागत करने पर बैरागी जी द्वारा सनातन के प्रति प्रीत रखने पर खुशी प्रकट किया। रायखेड़ी से समाजसेवी आशीष शुक्ला का कहना है हम सभी समाज में समरसता उत्पन्न करें, जैसे अनेक बीजों को बोकर अन्न उगाते हैं वैसे ही समाज को एकत्रित कर आपस में एकता और प्रसन्नता उत्पन्न करें। पदयात्रा में रामसिंह, प्रदीप बैरागी, मखान लाल धाकड़ आदि शामिल हैं। समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी कपिल मलैया ने स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत गाय के गोबर से बनी पदुमाला एवं मोमेंटो से सभी पदयात्रियों का स्वागत किया। उन्होंने सभी पदयात्रियों से समिति द्वारा बनाये जा रहे गोमय उत्पादों को देश भर में पहुंचाने का निवेदन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान सभी पदयात्रियों को शक्ति दें ताकि निर्विघ्न यात्रा सम्पन्न हो सके। पदयात्रा का कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, सुनील सागर, रविन्द्र ठाकुर, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय, गंगाराम, माधव यादव आदि ने स्वागत किया।

युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं नौकरी देने वाला बनाने का कार्य कर रहा है स्वावलंबी भारत अभियान : कपिल मलैया

हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी विषय पर कार्यशाला आयोजित

जन चिंगारी- गजेन्द्र ठाकुर

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के तहत युवाओं को व्यावसायिक उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 'हर घर उद्यमी, हर युवा उद्यमी' विषय पर मंगलवार को मैजेस्टिक प्लाजा में कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रांत सह समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि युवाओं की आवश्यकता उद्योग है एवं सागर में उद्योग की अपार संभावना है। उद्योग व स्वरोजगार की शुरूआत के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है हौसला और आत्मविश्वास। यह दोनों गुणों को विकसित करने के लिए स्कूली शिक्षा से ही कमाई करना सीखना चाहिए इसलिए हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चा पढ़ते-पढ़ते कमाई करना सीखे ताकि उसमें उद्यमिता के गुण विकसित हो सकें। युवा अपने साथियों के साथ 15-20 युवाओं का समूह बनाकर उद्यमिता की चर्चा शुरू करें। हमें आपदा में अवसर को तलाशना चाहिए, भारत विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। यह आबादी आपदा न होकर एक अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं उद्यमिता प्रारंभ करके नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation, one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida-Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar (M.P.)

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT ROHTAK

Bharat Vikas Parishad
Sagar (M.P.)

ISRN

Edu-Vitae Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
Edu Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर